Chapter 17 फूलों की घाटी (कविता) – शोभनाथ लाल

<u>सार (Gist)</u>

फूलों की घाटी में

- फूल-ही-फूल खिले हैं।
- रंग-बिरंगे फूल खिले हैं।
- केसर की महक फैलाती हैं
- फूलवारी देखने - देवलोक से परियाँ आती हैं।
- मंद हवा चलते है।
- कलियाँ झूमती हैं।
- तितली भी झूमती।
- घाटी/ फूलों की शोभा अति सुंदर है।
- बुलबुल गीत गाती है।
- घाटी में हर दिन बसंत ऋतु की सुंदरता फैली रहती है।
- यहा, घाटी में हम मटकते और गीत गाते, मिठास जैसे शहद।

<u>शब्दकोश</u>

घाटी - valley

माटी - sand

देवलोक – heaven

महकना – fragrance that intoxicates

मंद - gentle

पवन - wind

दुलराना – lovingly/ endearing/ using endearments

शोभा - beauty

बासंती मँडराना – the beauty of Spring that permeates

वाणी – voice

मधु – honey / sweetness

फुलवारी - garden

केसर -saffron

न्यारी - extraordinary

बुलबुल - nightingale

इठलाएँ – frolic

Questions (page 115-116)

1. फूल ही फूल / घाटी में अनेक फूल खिलते हैं।
2. फुलवारी देखने आतीं है। .....क्यो?
3. सुगंद, शीतल हवा बहते है तब कलियाँ झूमती हैं।
4. फूलों की खुशबू से खुश होकर बुलबुल गीत सुनाती है।
5. हमें मधुर वानी से बोलनी चाहिए।

Page 117

च) अच्छी आदतों

1. मीठी बोली बोलना।

2. स्वस्थ भोजन खाओ।

3. कृपया और धन्यवाद कहो।

4. सही समय पर सोना।

5. रोजं नहाना। (स्वास्थविज्ञान – personal hygiene)

6. किताबें पढ़ो।

JHARNA SERIES Book 3 - Workbook (page 56)

6. संज्ञा शब्द - Nouns

फूल	घाटी
माटी	देवलोक
परियाँ	फूलवारी
केसर	क्यारी

7. शब्द-युग्म (Combination Words)

कुछ-कुछ	हसना-रोना
साथ-साथ	कभी-कभी
हसना-रोना	खाना-पीना
साधू-संत	चुप-चाप